BORDER NEWS MIRROR

ISSUE :

www.bordernewsmirror.com | Only bilingual Newspaper | 06-11-2023 (Monday)

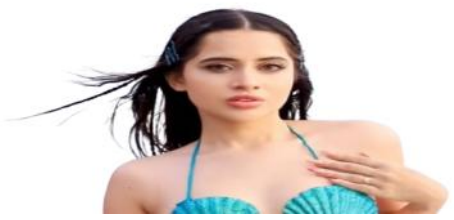

// PAGE 8

उर्फी जावेद की गिरफ्तारी का सच आया सामने

उर्फी को अजीब कपड़े पहन कर अश्लीलता फैलाने के आरोप में मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हालांकि, यह खुलासा हो चुका है कि उनका यह वीडियो फर्जी है।

// PAGE 8

बिग बॉस: लिपलॉक करते नजर आये कंटेस्टेंट्स

बिग बॉस-17 के हाल ही में खत्म हुए एपिसोड में ईशा मालविश और समर्थ ज्यूरियल कैमरे के सामने लिप-लॉक कर रहे थे।

// PAGE 8

बर्थडे सेलिब्रेशन में दिखीं जाह्नवी

खुशी कपूर के बर्थडे सेलिब्रेशन में जाह्नवी अपने रुमर्ड ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ नजर आईं।

खंडवा। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने मध्य प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था। भाजपा ने मेहनत करके मप्र को गड्ढे से निकाला है। इस कार्य के लिए भाजपा की तीन-तीन पीढ़ियां खप गईं। मध्य प्रदेश को गलत हाथों में नहीं जाने देना है। कांग्रेस यहां सरकार बनाने के लिए क्यों छटपटा रही है? इनका इरादा साफ है, कांग्रेस मध्य प्रदेश को अपनी पार्टी का एटीएम बनाना चाहती है। लोकसभा चुनाव के लिए पूरे मध्य प्रदेश से लूट करनी है। जब कांग्रेस केंद्र में थी तो करोड़ों का घोटाला करती थी। केंद्र से बाहर कांग्रेस हर राज्य को बड़े लालच से देखती है। जिस राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी वहां स्पर्धा चलती है, कौन ज्यादा लूटेगा। कांग्रेस यानी विकास की गाड़ी को रिवर्स गेयर में डाल देना। इतने दिन सत्ता में न रहकर कांग्रेस की भूख और बढ़ गई है। प्रधानमंत्री मोदी रविवार शाम को खंडवा जिले के छैगांवमाखन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाबा ओमकारेश्वर और मां नर्मदा की कृपा पात्र निमाड़ की इस पावन धरा को मैं श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। खंडवा सिर्फ एक स्थान नहीं है। बल्कि आस्था, अध्यात्म, इतिहास और आधुनिकता की संगम स्थली है। यहां जब भी मुझे आने का मौका मिला है, जब भी इस पवित्र धरती पर आया हूं तब ऐसा लगता है कि मैं तीर्थ यात्रा पर आया हूं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नौजवानों की दुश्मन है। हर माता-पिता से अनुरोध है कि वह अपने बच्चों को बताएं कि कैसे कांग्रेस ने लूट मचाई थी। नौजवानों को खुद के 25 साल का भविष्य निर्धारित करने के लिए वोट डालना है। आप अपना भविष्य ऐसे हाथों में मत दीजिये जो हाथ बदनामी से भरे हुए हैं। कांग्रेस ने हमेशा अपने नेताओं के विकास की सोची है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इतने सालों तक देश में शासन किया, 2014 से पहले कांग्रेस का की परचम था। कांग्रेस ने 100 से अधिक जिलों को पिछड़े जिले की कैटेगिरी में डाला था। हम सबका साथ, सबका विकास किया। मैं खंडवा को कैसे छोड़ देता। मैंने अफसरों से कहा और फिर पिछड़ा जिला खंडवा एस्पिरेशनल जिले में जोड़ा गया। आकांशी जिलों में कैसे काम होता है ये हमें दिख रहा है। जो बुरा हाल था उससे बाहर लाया हूं। अब नई ऊंचाइयों तक भी लेकर जाऊंगा। एशिया का पहला 600 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट खंडवा के गौरव में एक और अध्याय के रूप में जुड़ा है। खंडवा की संतान किशोर कुमार जी के नाम पर संसथान भी बना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह तय है कि तीसरी बार केंद्र में फिर भाजपा की सरकार बनेगी। तीव्र गति से विकास होता रहे, इसके लिए मुझे मध्य प्रदेश में भी ब्रेक लगाने वाले नहीं चाहिए। मुझे तेज तर्रार भाजपा की सरकार चाहिए। डबल इंजन की सरकार से ही तीव्र विकास होगा। कांग्रेस की सरकार आपस में ही लड़ती रहती है, जनता के लिए उनके पास समय ही नहीं होता है। दिनभर गोटी बैठाते रहते हैं। राजस्थान में पूर्ण बहुमत मिला था लेकिन 24 घंटे इसने उसको काटा, उसने इसको काटा। वो इसको गिराएगा, ये इसको गिराएगा। दो गुट लड़ाई लड़ते रहे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को ही देख लीजिये। वहां सीएम को ही नहीं पता कि वह कब तक मुख्यमंत्री रहने वाले हैं। हर दिन खबर आती है, ये मुख्यमंत्री बनेगा, वो मुख्यमंत्री बनेगा। हर कोई सीएम बनने का दवा ठोंकता रहता है। मध्य प्रदेश में तो अभी बस टिकट ही बंटा है लेकिन नेताओं ने एक दूसरे के कपड़े फाड़ने शुरु कर दिए। मोदी ने कहा कि हमने कभी नहीं सोचा था कि सरेआम कोई गला काटकर जश्न मनाएगा। ये हुआ है कांग्रेस शासित राजस्थान में। मध्य प्रदेश को दूसरे राज्यों से सबक लेते हुए सतर्क रहने की जरूरत है। ये वो धरा है जहां आचार्य शंकर को गुरु की प्राप्ति हुई थी। हमारे ऋषि-मुनियों ने देश को चारों ओर से जोड़ा था, लेकिन कांग्रेस झूठ बोलकर, लोगों को बांटकर वोट की फसल काटना चाहती है। मध्य प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के लिए कांग्रेस को रोकना होगा। मोदी के लिए देश में गरीब ही सबसे बड़ी जाति है। पांच साल में 13 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। हम हर वो काम कर रहे हैं जिससे देश आगे बढ़े।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस को बताया चालू पार्टी

टीकमगढ़। मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए राजनीतिक दलों का प्रचार अभियान चरम पर है। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को टीकमगढ़ जिले के जतारा पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस को चालू पार्टी बताते हुए उस पर जमकर निशना साधा। उन्होंने चुनावी रैली में कहा कि यहां राशन में कुछ नहीं मिल रहा है। अगर राशन में कुछ नहीं मिल रहा है, तो भाजपा को क्यों वोट देंगे। कांग्रेस को भी वोट मत दीजिएगा। वह भी बहुत चालू पार्टी है। कांग्रेस से सावधान रहोगे या नहीं रहोगे? अखिलेश यादव ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और भाजपा दोनों पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को वोट मत देना। कांग्रेस बहुत चालू पार्टी है। कांग्रेस वोटों के लिए जाति आधारित जनगणना चाहती है।

दैनिक बॉर्डर न्यूज मिरर
द्विभाषिक समाचार पत्र
...खबरों से समझौता नहीं

सत्ता का सुख भोगने के लिए लालू की गोद में जा बैठे हैं नीतीश : अमित शाह

बीएनएम@मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के पताही हवाई अड्डा मैदान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनसभा को रविवार को संबोधित करते हुए कहा कि सत्ता का सुख भोगने के लिए लालू की गोद में जा बैठे हैं नीतीश । गृह मंत्री अमित शाह ने आज भारत माता की जय के नारों के साथ लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा की मैं छठ मईया से प्रार्थना करता हूं कि आने वाले समय में बिहार जंगलराज और पलटूराम से मुक्त हो। ये भूमि खुदी राम बोस, जुब्बा सहनी, पंडित सहदेव जैसे क्रांतिकारियों की है । इन तीनों क्रांतिकारियों को मैं प्रणाम करता हूं। अमित शाह ने कहा कि 2025 में इस बार बिहार में भाजपा की सरकार बनानी है। क्योंकि जब आपने लालू के जंगलराज के खिलाफ वोट दिया था ये पलटूराम पीएम बनने के लिए बिहार के जनादेश के साथ धोखा किया है। मोदी जी के नेतृत्व में जी-20 हुआ, जिसमें दिल्ली घोषणा पत्र को सभी देशों ने सर्वसम्मति से स्वीकार करके मोदी जी को सम्मान देने का काम किया है। नीतीश कुमार ने बिहार की जनता के जनादेश का अपमान किया है जबकि मोदी जी ने आतंकवाद का खात्मा करने का काम किया है। राजद और जदयू धारा-370 हटाने के पक्ष में नहीं थी। कहा था कि धारा-370 हटाओगे तो खून की नदियां बहेगी। लेकिन हमने लालू जी को कहा था कि किसी की हिम्मत नहीं है कि एक पत्थर भी कश्मीर में चलाए। गृहमंत्री शाह ने कहा कि विपक्ष के लोग नरेन्द्र मोदी का लगातार विरोध कर रहे हैं। नीतीश कुमार सत्ता का सुख भोगने के लिए लालू की गोद में जा बैठे हैं। थ्री जी घोटाला करने वाला नेता आपको चाहिए या फाइव जी देने वाले मोदी जी चाहिए। तेल और पानी कभी इकट्ठा नहीं हो सकते हैं अलग-अलग ही रहते हैं। लालू जी से निकलना चाहते हैं कोई रास्ता नीतीश जी के पास नहीं बचा है। उल्लेखनीय है कि बिहार में भाजपा के सत्ता से बेदखल होने के बाद से ही अमित शाह लगातार बिहार दौरे पर आ रहे हैं। बीते 16 सितंबर को ही अमित शाह मधुबनी के झंझारपुर पहुंचे थे और लालू-तेजस्वी के साथ साथ उन्होंने राजद पर जोरदार हमला बोला था। एक साल के भीतर सातवीं बार अमित शाह बिहार पहुंचे हैं। अमित शाह के दौरे से विरोधी खेमे में खलबली मच गई है।

NEWS IN BRIEF

शुरु होगा विधानमंडल का शीतकालीन सत्र, हंगामेदार होने के आसार

पटना। बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र की शुरुआत कल यानी सोमवार से होगी, जिसके हंगामेदार होने की संभावना है। शीतकालीन सत्र के दौरान कुल पांच बैठकें होंगी। इस दौरान सरकार कई विधेयक भी पास करायेगी। शीतकालीन सत्र 6 नवंबर से शुरु होकर 10 नवंबर तक चलेगी। विपक्ष विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है। सत्र में जातीय गणना और शिक्षक बहाली के मुद्दे लेकर मुख्य विपक्षी दल भाजपा के साथ एनडीए में शामिल दल सरकार को घेर सकते हैं। विपक्षी दल जातीय गणना और शिक्षक बहाली में गड़बड़ी का आरोप सरकार पर लगा रहे हैं। इसके साथ अपराध की घटनाओं को लेकर भी विपक्षी दल सरकार पर हमले बोल रहे हैं। जातीय गणना की रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद विपक्षी दल सरकार पर आंकड़ों से खेल करने का आरोप लगा रहे थे। इसको लेकर खूब राजनीति भी हुई है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ लेने के लिए सरकार ने कुछ खास जाति की संख्या को बढ़ाकर दिया और अन्य जातियों की संख्या को कम कर दिखाया गया।

तालाब में डूबने से तीन की मौत

पटना। बिहार के सीतामढ़ी जिले के बाजपट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत बर्री फुलवरिया गांव में रविवार को तालाब में डूबने से दो लड़कों और एक लड़की की मौत हो गई। तीनों मनी के पास स्थित पोखर के पास खेल रहे थे। इसी दौरान तालाब के गहरे पानी में चले गए। मृतकों में बर्री फुलवरिया गांव की रहने वाली सोनी कुमारी, सोनिया कुमारी और आदित्य कुमार है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लोगों के हत्थे चढ़े दो चोर किया पुलिस के हवाले

बीएनएम@भागलपुर

भागलपुर। जिले के तिलकामांझी थाना क्षेत्र अंतर्गत सैंडिस कंपाउंड के समीप रविवार को दो चोर को लोगों ने पकड़ लिया। फिर लोगों ने दोनों चोरों को जमकर पीटा। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तिलकामांझी थाना को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद तिलकामांझी थाना की पुलिस मौके पर पहुंच कर दोनों चोरों को अपने गिरफ्त में लेकर थाना लेकर चली गई। बताया जा रहा है कि सैंडिस कंपाउंड के पास एक बैट्री की दुकान से बैटरी का चोरी पिछले दिनों हुई थी। इसके बाद दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज में चोरों का चेहरा साफ आ गया था। इसके बाद दुकानदार चोर को पकड़ने के फिराक में थे। आज दोपहर उसी रास्ते से दोनों चोर अपनी बाइक से जा रहा था। इसी दौरान स्थानीय लोगों के साथ दुकानदार ने उसे पकड़ लिया।

मुख्यमंत्री भूमिहार-ब्राह्मण समाज की आबादी से ताकत नहीं तौलें : आशुतोष

बीएनएम@बेगूसराय

बेगूसराय। भूमिहार ब्राह्मण एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशुतोष कुमार ने कहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भूमिहार-ब्राह्मण समाज की आबादी पर नहीं जाएं। आबादी से ताकत नहीं तौलें। बेगूसराय में उमड़ी भीड़ का उत्साह बता रहा है कि हमलोग अपना हक कैसे लेंगे। बेगूसराय के जीडी कॉलेज में रविवार को आयोजित भूमिहार-ब्राह्मण महापंचायत को संबोधित करते हुए आशुतोष कुमार ने कहा कि देश और राज्य में महिला कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, दलित, महादलित आयोग बना हुआ है। इन आयोगों में उस समुदाय के लोगों के लिए सरकार काम करती है। इसी प्रकार स्वर्ण आयोग को आगे बढ़ाने का काम क्यों नहीं किया जाता है। आशुतोष ने कहा कि लोग कहते हैं भूमिहार कभी एक नहीं हो सकता है। वैसे लोग आज के इस महापंचायत को देख लें। देश के संविधान में यह लिखा है कि रंग, रूप, धर्म, भेद के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है, तो आजादी के 70 साल बाद भी भूमिहार-ब्राह्मण की स्थिति क्या है यह किसी से छुपी हुई नहीं है। उन्होंने मंच से आठ सूत्री मांगों के समर्थन में एकमत से सहमति मांगी। उन्होंने कहा कि सरकार सवर्ण आयोग बनाते हुए उसके विकास के लिए काम करे। दस प्रतिशत आरक्षण सवर्णों को दिया जा रहा है, इसमें उम्र सीमा की बाध्यता नहीं हो।

सरकार की लापरवाही से डेंगू की स्थिति हुई है भयावह : नीरज कुमार

बीएनएम@बेगूसराय

बेगूसराय। बेगूसराय में शहर से गांव तक डेंगू कोहराम मचा रहा है। यहां दो हजार से अधिक लोग डेंगू से संक्रमित हो चुके हैं। जिसमें 12 से अधिक लोगों की मौत भी हो चुकी है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग और शासन-प्रशासन आंकड़ों का खेल कर रहा है। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट नीरज कुमार ने महामारी का रुप ले चुके डेंगू को लेकर बिहार सरकार एवं महागठबंधन पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने आज कहा है कि महाठगबंधन वाले जिंदा इंसान का खून चूस रहे हैं। डेंगू की स्थिति भयावह हो गई है। नीरज कुमार ने कहा कि 2021 में बिहार में डेंगू के मात्र 633 मामले सामने आए थे, जिसमें से मात्र दो लोगों की मृत्यु हुई थी। लेकिन अगले साल जब नीतीश कुमार ने एनडीए से अलग होकर लालू यादव के साथ सरकार बना लिए तो साल 2022 में डेंगू के 13972 मामले सामने आए। उसके लापरवाही के कारण बिहार में 32 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। बिहार के इतिहास में कभी इतना डेंगू का मामला सामने नहीं आया था।

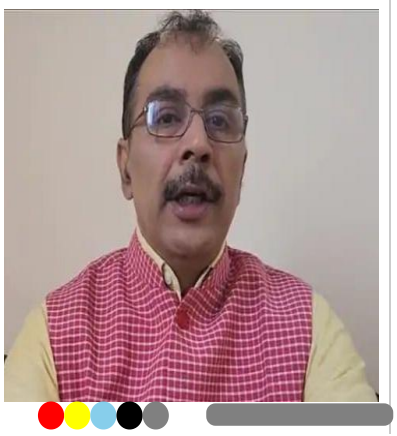

जातीय सर्वे को छलावा बताने पर भड़के तेजस्वी

बीएनएम@पटना

पटना। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने रविवार को मुजफ्फरपुर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दिये गये भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अमित शाह ने कहा है कि जातीय सर्वे रिपोर्ट में जानबूझकर यादव और मुसलमानों की आबादी को ज्यादा दिखाया गया है। यदि अमित शाह को ऐसा लगता है तो वह तो देश के गृह मंत्री हैं, केंद्र में उनकी सरकार है तो क्यों नहीं देशभर में जातीय गणना करा लेते। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अमित शाह जातीय गणना सर्वे पर भी बेबुनियाद बातें कर रहे हैं। बिहार में जातीय गणना में ओबीसी से छल किये जाने के अमित शाह के आरोप पर तेजस्वी ने कहा कि केंद्र सरकार में बिहार से शामिल जो मंत्री हैं उनमें कितने ओबीसी हैं? कितने राज्यों में भाजपा ने ओबीसी को मुख्यमंत्री बना रखा है।

तेजस्वी ने अमित शाह को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि बिहार में लोगों को कलम और नौकरी बांटी जा रही है लेकिन अमित शाह इसकी चर्चा नहीं करते हैं। अमित शाह को यह जानना चाहिए कि जहां कलम और नौकरी बंट रहा है वहां जंगलराज नहीं मंगलराज है। भाजपा शासित राज्यों और केंद्र सरकार को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि जंगलराज तो वहां है जहां नौकरी नहीं दी जा रही है।

उल्लेखनीय है कि अमित शाह ने मुजफ्फरपुर के पताही एयरपोर्ट पर जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार की नीतीश सरकार द्वारा कराए गए जातीय सर्वे को छलावा बताया। साथ ही बिहार सरकार पर मुस्लिम तुष्टिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने बिहार सरकार के शासन की तुलना जंगलराज से की।

BORDER NEWSMIRROR

Editorial

Monday 06 November 2023

क्रिकेट का कोहिनूर कोहली

विराट कोहली का क्रिकेट के मैदान में जुझारु तरीके से खेलने के अलावा एक दूसरा भी चेहरा है। वे जब क्रिकेट नहीं खेल रहे होते, या कहें कि फुर्सत में होते हैं तो वे सपरिवार वृंदावन जाना पसंद करते हैं। विराट कोहली वृंदावन में श्री परमानंद जी का आशीर्वाद लेने जाते हैं। वे ऋषिकेश में दयानंद गिरि आश्रम में भी जाते हैं। दयानंद गिरि आश्रम में विराट और उनकी पत्नी अनुष्का तीन बार यात्रा कर चुकी हैं। वे इस साल के आरंभ में उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर भी पहुंचे। उन्होंने सुबह चार बजे भस्म आरती की और भगवान का आशीर्वाद लिया। विराट कोहली ने आरती के बाद मंदिर के गर्भगृह में जाकर पंचामृत पूजन अभिषेक किया। विराट कोहली ने गले में रुद्राक्ष की माला भी धारण की। अगर विराट कोहली की शख्सियत के इस पक्ष से हटकर बात करें तो वे आजकल अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। वे सारी दुनिया की क्रिकेट के सबसे सम्मानित खिलाड़ी बन चुके हैं। विराट कोहली का आगामी 5 नवंबर को 35 वां जन्मदिन है। उस दिन वे कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान में खेल रहे होंगे। उनके क्रिकेट मैदान की शतकों का उनके करोड़ों फैंस को इंतजार रहता है। क्या विराट कोहली अपने जन्मदिन पर साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले मुकाबले में शतक मारेंगे? विराट कोहली वनडे क्रिकेट में एक महा रिकॉर्ड से एक शतक दूर हैं। पिछले मैच में वे इस रिकॉर्ड से महज 5 रन दूर रह गए थे। विराट के नाम वनडे में 48 शतक दर्ज हैं, सबसे ज्यादा शतकों का रिकॉर्ड 49 का है जो सचिन तेंदुलकर के नाम है। अपनी तमाम उपलब्धियों के बावजूद विराट कोहली की विनम्रता अनुकरणीय है। वे बिशन सिंह बेदी के सार्वजनिक रूप से चरण स्पर्श करते थे। दिल्ली क्रिकेट के केन्द्र फिरोजशाह कोटला मैदान में होने वाले कार्यक्रमों में विराट कोहली कई बार बेदी के चरण स्पर्श करते देखे गए थे। उन्होंने यह मुकाम परिश्रम, साधना और पक्के इरादे से पाया था। विराट कोहली का संबंध दिल्ली के एक सामान्य बिजनेस करने वाले परिवार से है।

सट्टेबाजी का खेल, अकेले नहीं बघेल

मुकुंद

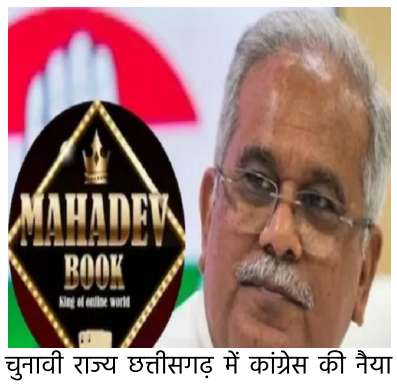

चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की नैया पार लगाने का दम-खम दिखाने वाले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सट्टेबाजी के बुने गए जाल में उलझते नजर आ रहे हैं। उनका दामन महादेव सट्टा ऐप की चार सौ बीसी से दागदार हो गया है। इस खेल में वह अकेले नहीं हैं। इस खेल में शामिल कुछ भारतीय अभिनेताओं और अभिनेत्रियों के चेहरे से नकाब पहले ही हटाया जा चुका है। दरअसल यह सट्टेबाजी का ऑनलाइन प्लेटफार्म है। इसका असल नाम महादेव बुक ऐप है। इसके दो प्रमुख कर्ता-धर्ता का नाम सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल है। दोनों इस्पात सिटी भिलाई के रहने वाले हैं। भिलाई को छत्तीसगढ़ में सबसे धनी लोगों का शहर माना जाता है। चंद्राकर और उप्पल अब यहां नहीं रहते। दोनों कभी जूस और टायर बेचते रहे हैं। जुआ की लत क्या लगी, दोनों रातों-रात संयुक्त अरब अमीरात यानी दुबई पहुंच गए। आज वहां महादेव ऐप के रुप में दोनों के नाम का सिक्का चलता है। इसी सिक्के की खनक से भारत की सियासत में भूचाल आ गया है। भाजपा ने प्रवर्तन निदेशालय के बड़े खुलासे के बाद भूपेश बघेल को घेरा है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने तो खुला आरोप लगाया है कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में हवाला ऑपरेटर के पैसे का प्रयोग कर रही है। ईरानी ने कहा है कि भूपेश बघेल के खिलाफ कुछ चौंका देने वाले तथ्य देश के सामने आए हैं। असीम दास से 5.30 करोड़ रुपये से ज्यादा बरामद हुए हैं। ईरानी ने इस पर सवाल पूछे हैं कि क्या यह सत्य नहीं है कि दो नवंबर को होटल ट्राइडेंट में असीम दास से पैसा बरामद हुआ? क्या ये सत्य नहीं है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के नेताओं को शुभम सोनी के माध्यम से असीम दास पैसा पहुंचाते थे? क्या ये सत्य नहीं है कि शुभम सोनी को एक वॉयस मैसेज के माध्यम से आदेश दिया गया कि वह रायपुर जाए और बघेल को चुनाव खर्च के लिए पैसा दे? क्या यह सत्य नहीं है कि अलग-अलग बैंक खातों से 15.50 करोड़ धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत फ्रीज किया गया? क्या यह सत्य है कि असीम दास को दुबई भेजा गया था? केंद्रीयमंत्री ने कहा है कि असीम दास ने कुबूल किया है कि यह पैसा महादेव ऐप के तहत अवैध सट्टेबाजी का है। साथ ही शुभम सोनी महादेव के शीर्ष प्रबंधन का हिस्सा है। इसी शुभम ने स्वीकार किया है कि महादेव ऐप के प्रमोटर्स ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 538 करोड़ रुपये रिश्वत दी। इस खेल में चंद्रभूषण वर्मा नामक अधिकारी की भूमिका भी सामने आई है। कहते हैं तिजोरियों को चाहे जितने धीरे से खोलो, थोड़ी-बहुत आवाज तो आती ही है। यहां यह भी सनद होना चाहिए कि महादेव सट्टा ऐप की हल्की आवाज से उभरी गोलमाल की पूरी एबीसीडी प्रवर्तन निदेशालय ने पढ़ ली है। निदेशालय ने इस ऐप से संबद्ध 14 आरोपितों के खिलाफ 9084 पेज की चार्जशीट इसी साल 21 अक्टूबर को अदालत में पेश की है। अदालत में इसी माह 25 नवंबर को इस पर सुनवाई होनी है। इसमें कहा गया है कि यह गोलमाल करीब छह हजार करोड़ रुपये का है। प्रारंभिक चरण में 41 करोड़ की संपत्ति अटैच की गई है। चार्जशीट में इस ऐप के संचालक सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल मुख्य आरोपित हैं। इन समेत 14 आरोपितों के खिलाफ चालान पेश किया गया है। 9084 पन्ने की चार्जशीट में आपराधिक परिवाद 197 पन्नों का है। बाकी 8887 पेज में अभिलेख हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

Today's **Opinion**

नये भारत के विकास की नई इबारत

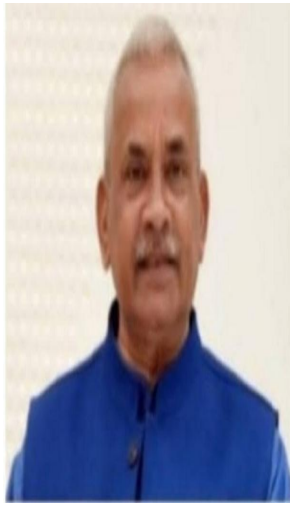

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दूरदर्शी नीतियों, समर्पण और टीम भावना के साथ देश के लोकतंत्र को एक नई दिशा दी है। भारत आत्मनिर्भर, स्वावलंबी, और विकसित बनने की दिशा में अग्रसर है। मोदी सरकार का प्रत्येक निर्णय लोक कल्याण और राष्ट्रीय हित के अनुरुप है। दशकों से लंबित फैसलों को लागू किया। लंबित परियोजनाओं को पूरा किया गया। कोरोना के बाद अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी। मगर भारत की अर्थव्यवस्था अब भी विकास की राह पर है। बीस लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत पैकेज के सहारे भारत की विकास यात्रा को नई गति मिली है। देश आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ा है। इस विकास यात्रा की झलक देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने काशी दीनदयाल हस्तकला संकुल ट्रेड सेंटर में इक्यावनवें राष्ट्रीय कंपनी सचिव सम्मेलन के संबोधन में दिखी। उन्होंने विकास की दिशा में बढ़ रहे भारत के अनेक तथ्यों का उल्लेख किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने काशी का कायाकल्प कर दिया है। उनके इस कथन को नौ वर्ष में हुए काशी के विकास से महसूस किया जा सकता है। श्री काशी विश्वनाथधाम का भव्य निर्माण तो ऐतिहासिक है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मन्दिर का निर्माण चल रहा है। दुनिया बाईस जनवरी की प्रतीक्षा कर रही है, जब उसका भव्य उद्घाटन होगा। उपराष्ट्रपति ने जम्मू-कश्मीर में हुए संवैधानिक सुधारों और इसके लिए हुए संविधान संशोधन का भी उल्लेख किया। साथ ही अर्थव्यवस्था में प्रगति की चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस दशक के अंत तक भारत, जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था के रुप में उभरेगा। उन्होंने सवाल उठाया कि राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए कहा था कि सरकारी योजनाओं के एक रुपये में से केवल पन्द्रह पैसा ही गरीबों तक पहुंचता है। लेकिन वे बस कहकर ही रह गए, समाधान की दिशा में कुछ नहीं किया। समाधान मोदी ने किया है। आज सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ सीधे लोगों के खातों में पहुंच रहा है। इस तरह के अनेक बदलावों की कहानी मोदी सरकार के नौ सालों के कार्यकाल में लिखी गई है। विकास की कहानियां तो और भी हैं। भारत का डिजिटली लेनदेन ऐतिहासिक है। उसने दुनिया को नई दिशा दिखाई है। रिकॉर्ड सैटेलाइट्स का प्रक्षेपण अंतरिक्ष में बढ़ती शक्ति का शानदार उदाहरण है। शांति और सौहार्द का संदेश दुनिया को मुरीद बना रहा है। भारत ने दुनिया की सबसे ज्यादा सुधारात्मक कर प्रणाली जीएसटी लागू की है। उसका अभूतपूर्व फायदा आज देश देख रहा है। प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता के कारण यह अमृतकाल अब गौरव काल बन चुका है। भारत के लिए दुनिया में सबसे ज्यादा सम्मान इन्हीं नौ साल में देखा गया है। इस मौके पर राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल ने उत्तर प्रदेश सरकार की विकास यात्रा का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश 714 सरकारी सेवाएं ऑनलाइन प्रदान कर रहा है। नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विस डिलीवरी असेसमेंट इंडेक्स के अनुसार उत्तर प्रदेश 85 प्रतिशत से अधिक के अनुपालन के साथ बड़े राज्यों के बीच पोर्टल और सेवा पोर्टल के मूल्यांकन में दूसरे स्थान पर है। 'निवेश मित्र' नामक एकीकृत पोर्टल पर उत्तर प्रदेश की एक अनुकरणीय पहल को भी शामिल किया गया है । 96 लाख से अधिक एमएसएमई वाले सभी राज्यों में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है। उत्तर प्रदेश ने वाणिज्य और उद्योग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। सामाजिक कल्याण तथा विकास और न्यायपालिका एवं सार्वजनिक सुरक्षा में भी वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश में विकास के लिए और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जो काम हुआ है, वह पूरा देश देख रहा है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैंक सखी और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं सशक्त और समृद्ध हो रही हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना में लाभार्थियों को कार्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृषि, फूड प्रोसेसिंग, डेयरी,स्टार्टअप, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, रक्षा उत्पादन आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन नः-06252-296796,
प्रसारः-9470050309 ईमेलः- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

यह पचाना मुश्किल है कि मैं टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं हूं

बीएनएम@नई दिल्ली

नई दिल्ली। आईसीसी विश्व कप 2023 से बाहर होने के बाद भारतीय हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या ने कहा कि यह पचाना मुश्किल है कि वह अब इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगे। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में, 30 वर्षीय ऑलराउंडर ने कहा कि बाहर होने के बावजूद, वह टीम के साथ रहेंगे और हर गेंद पर उनका उत्साहवर्धन करेंगे। पांड्या ने कहा कि 'मेन इन ब्लू' टीम विशेष है और उन्हें यकीन है कि हर खिलाड़ी इस विश्व कप में भारत को गौरवान्वित करेगा। हार्दिक पांड्या ने एक्स पर लिखा, "इस तथ्य को पचाना मुश्किल है कि मैं विश्व कप के शेष भाग से बाहर हो गया हूं। मैं पूरे जोश के साथ टीम के साथ रहूंगा और हर खेल की हर गेंद पर उनका उत्साहवर्धन करूंगा। सभी की शुभकामनाओं और प्यार के लिए धन्यवाद, समर्थन अविश्वसनीय रहा है। यह टीम विशेष है और मुझे यकीन है कि हम हर किसी को गौरवान्वित करेंगे।" बांग्लादेश के खिलाफ भारत की 7 विकेट की जीत के दौरान हार्दिक पंड्या के बाएं टखने में चोट लग गई थी और आगामी मैचों के लिए उनकी उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। हालाँकि, शनिवार को 'मेन इन ब्लू' टीम से उनके बाहर होने की पुष्टि हो गई। मेन इन ब्लू टीम में पांड्या की जगह तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा लेंगे, जिन्हें शनिवार को टूर्नामेंट की इवेंट टेक्निकल कमेटी द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद प्लेइंग ग्रुप में जोड़ा गया है। वर्तमान में, भारत चल रहे एकदिवसीय विश्व कप 2023 में अपने शीर्ष फॉर्म में है। रोहित शर्मा की टीम अभी भी प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अजेय है और विश्व कप 2023 में 14 अंकों के साथ पहले स्थान पर है। विश्व कप 2023 में अपने आगामी मुकाबले में 'मेन इन ब्लू' रविवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

राष्ट्रीय विद्यालयीय वालीबाल प्रतियोगिता में उप्र बना विजेता, खेल प्रेमियों में खुशी

लखनऊ। श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में आयोजित अंडर-17 बालकों की राष्ट्रीय विद्यालयी वालीबाल प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने फाइनल मुकाबले में राजस्थान को 3-2 से परास्त कर खिताब पर कब्जा किया। उत्तर प्रदेश के सेंटर ब्लॉकर मोहम्मद सलमान को बेस्ट प्लेयर का खिताब दिया गया। इस उपलब्धि पर प्रदेश के खिलाड़ी खुशी से झुम उठे। उप्र ओलंपिक संघ के महासचिव आनंदेश्वर पांडेय सहित खेल प्रेमियों ने टीम को बधाई दी है। इसके पूर्व लीग के मुकाबलों में उत्तर प्रदेश ने सीआईएससीई को 2-0, राजस्थान को 2-1 व तेलंगाना को 2-0 से मात देकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। प्री क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश ने ओडिशा को 3-0 से, क्वार्टर फाइनल में मणिपुर को 3-0 से और सेमीफाइनल में मेजबान जम्मू कश्मीर को 3-0 से मात देकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह बनाई। फाइनल के पहले दोनों सेट राजस्थान की टीम जीत चुकी थी। उसके बाद उत्तर प्रदेश की टीम ने शानदार वापसी करते हुए लगातार तीन सेट जीतकर राजस्थान को 3 - 2 हराकर विजय प्राप्त की।

हमें जो हम अवसर मिले हमने उनका लाभ उठाया : जोनाथन ट्रॉट

बीएनएम@लखनऊ

लखनऊ। अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट ने शुक्रवार को चल रहे विश्व कप में लगातार तीसरी जीत दर्ज करने के बाद कहा कि उनकी टीम को जो भी मौके मिले, उसका लाभ उठाया। शुक्रवार को खेले गए मैच में अफगानिस्तान ने पहले नीदरलैंड्स को 179 रनों के कुल स्कोर पर रोक दिया और फिर 31.3 ओवर में केवल तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए यह उनकी तीसरी जीत है, जिससे उनकी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं। अफगानिस्तान की हालिया सफलता के बारे में पूछे जाने पर ट्रॉट ने कहा कि उन्होंने आत्मविश्वास और अवसरों का लाभ उठाने के महत्व पर जोर दिया। मैच के बाद कॉन्फ्रेंस में ट्रॉट ने कहा,"मुझे यह कहने में बहुत झिझक हो रही है कि आप क्रिकेट के खेल के संबंध में कुछ भी क्रैक कर सकते हैं। जैसे ही आप सोचते हैं कि आपने इस गेम को क्रैक कर लिया है, यह आपको पीछे धकेल देता है। लेकिन मुझे लगता है कि हमें हर चीज में आश्वस्त रहना चाहिए जो हम करते हैं, हमने जो कुछ भी किया है उसे हमें अपने साथ रखना चाहिए, लेकिन उन चीजों और क्षेत्रों का भी विश्लेषण करना चाहिए जिन पर हमें काम करने की आवश्यकता है। इसलिए नीदरलैंड के खिलाफ मैंने सोचा कि हमारी फील्डिंग अच्छी थी, हमने उसमें सुधार किया और हमें कुछ अच्छे रन आउट मिले, हमें जो हम अवसर मिले हमने उनका लाभ उठाया। और जब आप क्षेत्ररक्षण कर रहे हों तो आप यही कर सकते हैं। अभी भी चीजें हैं, कई अन्य छोटे क्षेत्रों पर काम करना है, शायद गेंदबाजी और बल्लेबाजी के साथ भी, लेकिन, आप जानते हैं, शिकायत नहीं कर सकते और मुझे चेंज रूम में मौजूद लड़कों पर बहुत गर्व है।" मंगलवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अफगानिस्तान का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा और इस मैच के नतीजे से तय होगा कि वह सेमीफाइनल की दौड़ में है या नहीं।

हॉकी : बदायूं को गाजीपुर ने हराया, झांसी ने आजमगढ़ को दी मात

लखनऊ। पद्मश्री पं. जमन लाल शर्मा सब जूनियर हॉकी प्रतियोगिता में दूसरे दिन सात मैच खेले गये। इस मैच में बालकों में खूब उत्साह देखने को मिला। विजय के लिए सबने जमकर पसीने बहाए। गाजीपुर ने जहां बदायूं पर आसान जीत दर्ज की। वहीं कड़े मुकाबले में झांसी ने आजमगढ़ को 5-4 से मात दे दी। बदायूं के खिलाफ गाजीपुर की टीम ने सातवें मिनट में ही पहला गोल दाग दिया। इसके बाद लगातार गोल करते रहे और 45वें मिनट तक नौ गोल कर दिए। बदायूं की टीम एक गोल भी नहीं कर सकी। गाजीपुर ने मैच को नौ-एक से जीत लिया। वहीं प्रतापगढ़ की टीम ने सहारनपुर को दो-एक से मात दे दी। प्रतापगढ़ की टीम ने दूसरे मिनट में ही पहला गोल कर दिया। इसके बाद आठवें मिनट में दूसरा गोल कर दिया। इसके बाद कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी और प्रतापगढ़ ने दो-शून्य से मैच को जीत लिया। एसबीएचए गाजीपुर की टीम ने शूट आउट में प्रयागराज को तीन-दो से मात दे दी। कौशाम्बी की टीम ने गोंडा को शूट आउट में 4-1 से हराया। बीएचयू ने सीतापुर को शूट आउट में 5-4 से मात दे दी। मेरठ ने बलरामपुर की टीम को चार-शून्य से मात दी।

कोहली ने जड़ा 49वां शतक, सचिन की बराबरी की, रवीन्द्र जडेजा ने लगाया विकेटों का पंजा

विश्वकप 2023: भारत ने एकतरफा मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 243 रन से हराया

बीएनएम@दिल्ली

दिल्ली। विश्व कप 2023 के 37वें मैच में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 243 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। विश्वकप प्रतियोगिता में लगातार आठवीं जीत दर्ज करते हुए भारत ने अंक तालिका में नंबर एक की पोजिशन लीग मैचों के आखिर तक के लिए तय कर ली है। इस तरह सेमीफाइनल में भारत का सामना चौथे नंबर पर रहने वाली टीम से होगा। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में 327 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने ताश के पत्तों को तरह बिखर गई और पूरी टीम 83 रन पर ढेर हो गई। पावरप्ले में खराब शुरुआत के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम लगातार विकेट गंवाती चली गई। खस्ताहाल बल्लेबाजी का स्तर यह रहा कि कोई भी बल्लेबाज 15 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। आखिर के सात विकेट तो 48 रन बनाने में ही चले गए। इस तरह दक्षिण अफ्रीका की टीम 27.1 ओवर में 83 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए। मोहम्मद शमी और कुलदीप यादव को 2-2 विकेट मिले। एक सफलता मोहम्मद सिराज के हाथ लगी। इससे पहले, भारत ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। विराट कोहली के रिकॉर्ड 49वें शतक की बदौलत टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट खोकर 326 रन बनाए। कोहली ने नाबाद 101 रन बनाए और सचिन तेंदुलकर के 49 वनडे शतकों के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। श्रेयस अय्यर ने 77 रन की शानदार पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका के लिए पांचों गेंदबाज लुंगी नगिडी, मार्को यानशेन, कगिसो रबाडा, केशव महाराज और तबरेज शम्सी ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। बता दें कि भारत ने इस विश्वकप में लगातार आठ मैचों में जीत दर्ज की है। ऐसे कारनामा भारतीय टीम ने 20 साल बाद किया है। इससे पहले भारत ने 2003 के विश्व कप में भी 8 मैच एक के बाद एक जीते थे।

किचन की सफाई करने में निकलती है जान, इनसे काम होगा आसान

हर घर में किचन वह जगह है, जहां एक महिला का ज्यादातर समय बीतता है। लेकिन यह घर की सबसे दूषित जगह भी है। यहां ज्यादातर बैक्टीरिया पनपते हैं, जो आपको कभी दिखाई नहीं देते। रसोई एक पवित्र जगह है, जिसकी नियमित रूप से साफ सफाई की जानी चाहिए। नियमित सफाई न केवल किचन को साफ रखती है, बल्कि आप कई बीमारियों से भी बचे रहते हैं। तो आइए हम आपको बताते हैं किचन की सफाई करने के कुछ बेहतरीन टिप्स।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा सबसे अच्छा किचन क्लीनिंग हैक है। यह चिकनाई और दागों को दूर करने का बेहतरीन नुस्खा है। बेकिंग सोडा का उपयोग आपकी रसोई में सिंक, नालियों, ओवन, ग्रिल, माइक्रोवेव और स्टोव सहित लगभग सभी चीजों को साफ करने के लिए किया जा सकता है।

नींबू और सिरका

सिरका आपकी रसोई में बैक्टीरिया को मारने का सबसे प्रभावी तरीका है। इसकी तीखी गंध को खत्म करने के लिहाज से इसमें नींबू का उपयोग किया जाता है। किचन कैबिनेट्स को साफ करने के लिए नींबू-सिरका का मिश्रण एक स्प्रे बोतल में डालकर किचन कैबिनेट पर स्प्रे करें। कुछ मिनट तक प्रतीक्षा करें और नरम कपड़े से साफ करें।

असेंशियल ऑयल

असेंशियल ऑयल आपके घर के हर कोने को फ्रेश रखता है। आप अपने पसंद की असेंशियल ऑयल की दो बूंदों को रुई के गोले पर डालें और गंध को खत्म करने के लिए डस्टबिन में रख दें। ये असेंशियल ऑयल कीड़ों को दूर भगाने का अच्छा घरेलू नुस्खा है।

डिश वॉशिंग सोप

एक कप गर्म पानी में लिक्विड डिशवॉशिंग सोप की दो से तीन बूंदें मिलाएं। अब मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालें। स्टोव सहित सभी सतहों पर स्प्रे करें और कुछ मिनटों के बाद पोंछ लें। इसे आप क्विक क्लीनिंग के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

खाना बनाने से पहले और बाद में किचन को साफ करने के लिए यह तरीके अपना सकते हैं। ये हैक्स किचन को स्वच्छ और आपको स्वस्थ रखेंगे।

शरीर में खून बढ़ाने के साथ हड्डियों के लिए फायदेमंद है किशमिश

ड्राई फ्रूट्स के सेवन से कितना फायदा होता है, ये तो आप जरूर जानते होंगे। आज आपको किशमिश के फायदों के बारे में बताएंगे। हर कोई इसके स्वाद से वाकिफ है, लेकिन किशमिश के गुण सिर्फ इसके स्वाद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शरीर से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में सहायक है। सेहत के लिए किशमिश किसी वरदान से कम नहीं है। इसे खाने से कमजोरी, सुस्ती जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है। यह पोषक तत्वों का भंडार है। आइए जानते हैं, किशमिश सेहत के लिए कैसे फायदेमंद है।

1. खून की कमी दूर करने में सहायक

किशमिश में आयरन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इसमें विटामिन-बी और कई पोषक तत्व पाए जाते है, जो लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण करते हैं। अगर आप एनिमिया से पीड़ित हैं, तो रोजाना किशमिश का सेवन कर सकते हैं।

2. पाचन को स्वस्थ रखने में मददगार

किशमिश में मौजूद फाइबर पाचन के लिए लाभकारी है। इसके लिए रात में किशमिश को भिगो दें और सुबह में इसे खाएं। अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो भिगे हुए किशमिश का नियमित रूप से सेवन कर सकते हैं।

3.आंखों के लिए फायदेमंद

किशमिश में पर्याप्त मात्रा में बीटा-कैरोटीन, विटामिन-ए और कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो आंखों के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके नियमित सेवन से मोतियाबिंद का खतरा भी कम हो सकता है।

4. हड्डियों के लिए लाभदायक

किशमिश में कैल्शियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। जो हड्डियों को स्वस्थ रखने में सहायता करता है। हड्डियों को मजबूत रखना चाहते हैं, तो नियमित रूप से किशमिश का सेवन कर सकते हैं।

5. हाई ब्लड प्रेशर को करता है कंट्रोल

किशमिश में पोटैशियम और एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो ब्लड सर्कुलेशन को सुधार कर हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मददगार है।

कान में हो जाए दर्द और सूजन तो आपको घर पर ये आयुर्वेदिक उपाय दे सकते हैं आराम

कान आपके सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। इसकी वजह से आप बाहरी आवाज को सुन पाते हैं। लेकिन इसके हेल्थ की तरफ ज्यादातर ध्यान तभी जाता है, जब इसमें कोई गड़बड़ी हो जाए। कान आपके मस्तिष्क, नाक, मुंह, आंख जैसे दूसरे अहम हिस्सों से आंतरिक रूप से जुड़ा होता है। ऐसे में इसमें दर्द आपको दूसरे दर्द से की ओर ले जा सकता है।

आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ डिंपल जांगडा ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में कान दर्द, सूजन, ब्लॉकेज को ठीक करने के घरेलू उपायों को बताया है। वह कहती हैं कि कान का संक्रमण सर्दियों के दौरान या बैक्टीरिया, वायरस या कवक के आंतरिक, मध्य या बाहरी कान में फंसने के कारण हो सकता है। ऐसे में इससे राहत के लिए ये उपाय फायदेमंद साबित होते हैं।

कान दर्द को ठीक करने के लिए ट्राय करें ये घरेलू नुस्खें

तुलसी से पाएं कान के दर्द से छुटकारा

तुलसी एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीमाइक्रोबियल और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुणों से भरपूर होती है। ऐसे में यह कान के दर्द और इन्फेक्शन से राहत दिलाने में मदद कर सकती है।

ऐसे करें इस्तेमाल

कान के दर्द से राहत के लिए तुलसी के कुछ पत्तों को ओखली और मूसल में पीस लें। अब इसके रस को छानकर एक से दो बूंद कान में डालें।

कान के दर्द में फायदेमंद है लौंग का तेल

लौंग के तेल में एनाल्जेसिक (दर्द निवारक) और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जिसके वजह से एक्सपर्ट कान के दर्द को ठीक करने के लिए इसे यूज करने की सलाह देती हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक चम्मच तिल के तेल में एक लौंग डालकर उबाल लें और ठंडा होने दें। तेल को छान लें और गर्म तेल की 1 से 2 बूंद प्रभावित कान में डालें।

जैतून के तेल से करें कान दर्द का घरेलू उपचार

एक्सपर्ट बताती है कि अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (AAP) हल्के से मध्यम लेवल के कान के दर्द को ठीक करने के लिए घरेलू उपाय के रूप में जैतून के तेल को प्रभावी मानता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

एक चम्मच जैतून के तेल को गर्म करें और इसे ठंडा होने दें। तेल की 1 से 2 बूंद प्रभावित कान में डालें।

टी ट्री ऑयल से करें कान दर्द ठीक

टी ट्री ऑयल एंटीफंगल, एंटी बैक्टीरियल, एंटीसेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो इसे कान के दर्द के लिए प्रभावी बनाते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

जैतून का तेल, तिल का तेल या नारियल के तेल के एक चम्मच के साथ टी ट्री ऑयल की एक या दो बूंद मिलाएं। तेल को अच्छी तरह मिलाकर कान में 1 से 2 बूंद डालें। उपयोग करने से पहले तेल के तापमान की जांच जरूर करें।

कान के सूजन को इन मसालों से कम करें

यदि आपको कान के आसपास के क्षेत्र में सूजन का अनुभव हो रहा है, तो लहसुन और अदरक जैसे एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण वाले मसाले फायदेमंद हो सकते हैं। यह न केवल सूजन को कम करते हैं, बल्कि जमाव को दूर करने और कान के दर्द को कम करने में भी मदद करते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

लहसुन की 3 कलियां गर्म करके उसमें चुटकी भर नमक मिलाकर कपड़े में रखकर दर्द वाले कान पर सेंकाई करें। इसके अलावा यदि आप अदरक का इस्तेमाल कर रहें तो ताजे अदरक के टुकड़े को ओखल और मूसल में डालकर रस निकालें। तरल को छान लें और प्रभावी कान के पास की त्वचा पर लगाएं।

जलनेति है कान के लिए फायदेमंद

जलनेति एक आयुर्वेदिक थेरेपी है। इसमे नाक की एक छेद से पानी को डालकर दूसरे छेद से निकाला जाता है। ऐसा करने से नाक और कान के बीच के रास्ते मे भरा कफ साफ होता है। जिससे कान बंद होने की समस्या नहीं होती है। इसके अलावा आप नीलगिरी के तेल की कुछ बूंदों के साथ भाप भी लें सकते हैं।

साहित्यिक हलचल

समाज के ताने बाने से खिलवाड़ करती 'हेट स्पीच'

डॉ सत्यवान सौरभ

हेट स्पीच एक समूह, या जाति, धर्म या लिंग जैसी अंतर्निहित विशेषताओं के आधार पर किसी व्यक्ति को लक्षित करने वाले आपत्तिजनक भाषण को संदर्भित करती है, जो सामाजिक शांति को खतरा पैदा कर सकती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, देश में 2014 और 2020 के बीच घृणास्पद भाषण अपराधों में छह गुना वृद्धि हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार दोहराया है कि घृणा अपराधों के नाम पर कोई गुंजाइश नहीं है।

भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म और यह राज्य का प्राथमिक कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को ऐसे अपराधों से बचाए। एक ही बयान, किसी के लिए नफरत फैलाने वाली बात हो जाता है और किसी के लिए बोलने की आजादी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार इसी उलझन में फंसा रहता है। अपनी बात कहने की आजादी से जुड़े कई कानून हमारे देश में मौजूद हैं और एकता व शांति भंग करने वाले बयानों पर पाबंदी भी है। इन कानूनों का उपयोग और दुरुपयोग दोनों की ही चर्चा होती रहती है।

किसी भी ऐसी बात, हरकत या भाव को, बोलकर, लिखकर या दृश्य माध्यम से प्रसारित करना, जिससे हिंसा भड़कने, धार्मिक भावना आहत होने या किसी समूह या समुदाय के बीच धर्म, नस्ल, जन्मस्थान और भाषा के आधार पर विद्वेष पैदा होने की आशंका हो, वह हेट स्पीच के अंतर्गत आती है।

सहिष्णुता और असहिष्णुता के शोर के बीच यह मामला और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि समस्या के मूल में यही है कि जनता और नेता किसी की बात को सह पाते हैं या नहीं। क्या किसी की बात सहन न होने पर हिंसा भड़क सकती है, इसलिए बयानों पर कानून के जरिए सजा दिलवाकर लगाम लगाना जरूरी है। या फिर अपनी बात कहने की आजादी सभी को है, इस लिहाज से कानून की बंदिश नहीं होनी चाहिए।

समाज में अनुचित व्यवहार भेदभावपूर्ण संस्थाओं, संरचनाओं और मानदंडों को उत्पन्न करते हैं, जो असमान सामाजिक संबंधों को मान्य और बनाए रखते हैं। इससे कुछ लोग दूसरों को हीन और सम्मान के योग्य समझने लगते हैं। साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं।

> **साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं। साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं।**

साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं।

पीड़ित व्यक्ति/लोग शायद ही कभी प्रतिशोध के डर से या गंभीरता से नहीं लिए जाने के डर से अधिकारियों को घटनाओं की रिपोर्ट करते हैं। यहां तक कि जब मामलों की सूचना दी जाती है, तब भी अधिकारियों द्वारा समय पर कार्रवाई की कमी के कारण उद्देश्य विफल हो जाता है। भारत में, भारतीय दंड संहिता की धारा 153 और 505 मुख्य प्रावधान हैं, जो भड़काऊ भाषणों और अभिव्यक्तियों से निपटते हैं जो 'घृणास्पद भाषण' को दंडित करने की कोशिश करते हैं।

हेट स्पीच से निपटने के लिए एक अलग कानून की अनुपस्थिति के कारण मौजूद खामियों का दुरुपयोग हुआ है। 2017 में, समिति ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें ऑनलाइन हेट स्पीच को रोकने के लिए सख्त कानूनों की सिफारिश की गई थी।प्रत्येक राज्य में एक राज्य साइबर अपराध समन्वय होना चाहिए, जो एक अधिकारी होना चाहिए जो पुलिस महानिरीक्षक के पद से कम का न हो। प्रत्येक जिले में एक जिला साइबर क्राइम सेल होना चाहिए।

इसने 5,000 के जुर्माने के साथ दो साल तक की सजा का प्रस्ताव किया। विधि आयोग की सिफारिशों को लागू करना: विधि आयोग ने अपनी 267 वीं रिपोर्ट में आईपीसी की धारा 153(B) के तहत 'नफरत को उकसाने पर रोक लगाने और कुछ मामलों में डर, अलार्म या हिंसा भड़काने' पर आईपीसी की धारा 505 के तहत नए प्रावधान जोड़कर भारतीय दंड संहिता में संशोधन का सुझाव दिया।

यह बातचीत, मध्यस्थता और मध्यस्थता के माध्यम से हेट स्पीच की समस्या का समाधान करने का एक बेहतर तरीका है। भारत में शिक्षा प्रणाली दूसरों के प्रति सहिष्णुता, करुणा और सम्मान को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। लोगों को विविधता, एक बहुलवादी समाज के महत्व और भारत की एकता में इसके योगदान के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया के उद्भव ने हेट स्पीच के निर्माण, पैकेजिंग और प्रसार के लिए कई मंच तैयार किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने टीवी बहसों पर हेट स्पीच के संबंध में भी चिंता जताई है। इसलिए इन माध्यमों को विनियमित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए. हेट स्पीच लोकतंत्र के दो प्रमुख सिद्धांतों- सभी के लिए समान सम्मान की गारंटी और समग्रता की सार्वजनिक भलाई, को खतरे में डालती है। मीडिया द्वारा एक आचार संहिता को अपनाने, निजी और सार्वजनिक संस्थानों द्वारा स्व-नियमन और बहुलवाद का सम्मान करने के महत्व और हेट स्पीच से उत्पन्न खतरों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

2020 में हेट स्पीच के मामलों में कन्विक्शन रेट 20.4% था। जिससे यह पता चलता है कि मामले तो दर्ज़ होते हैं लेकिन सजा नहीं दी जाती, जिससे लोगों के अंदर डर की भावना पनप नहीं पाती और ऐसे ही सामाजिक सद्भाव और समाज के ताने बाने से खिलवाड़ की जाती रहती है।

कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट,

नमिता गुप्ता मनसी

प्रेम में संवाद..

सुनों बुद्धू राम !!!!
इतने भी चुप मत रहा करो
कि सबको सुनाई देने लगे !!

क्या बोलूं..
कुछ है ही नहीं..
वहीं रोज़ का काम !
तुम ही कुछ बोलो न,
हमेशा की तरह..

हम्मम,,,
ठीक है..मैं ही शुरू करती हूं,
अच्छा बताओ..
तुमने कभी पीला पत्ता देखा है ?
लो ..देखो ,
पता है न
ये अब कभी हरा नहीं होगा ,
ध्यान से पढ़ो इसकी एक-एक लकीर को
मानों इतिहास हो
सभी जाते हुए मौसमों का ,

देखो न..
ठीक जहां से छूटा है ये
वहीं से फूटने लगा है
थोऽऽऽड़ा सा हरापन ,
हमारा प्रेम भी कुछ ऐसा ही है न
बिल्कुल इस पीले पत्ते की तरह ,
है न !!

वह बोला
कुछ देर रुककर..

हम्म्म.
तो अब क्या जरूरत है
शाब्दिक औपचारिकता की ,
ये पीला पत्ता ही हमारे प्रेम का संवाद है ,,
हैं न !!
समझी नालायक लड़की !!!!!

मेरठ, उत्तर प्रदेश

गरिमा लखनवी

राम चरित

रामजी ने जन्म लिया,
माता-पिता का मान बढ़ाया धर्म,
मातृभूमि की रक्षा करना,
सबको यह पाठ पढ़ाया,
अपने चरित्र का मान करके,
दुनिया को सही रास्ता दिखाया,
राम जी जैसा पुरुष इस दुनिया में कोई नहीं,
पिता को दिए वचन को उन्होंने पूरा कर दिया,
मर्यादा का हम सबको पाठ पढ़ाया,
पत्नी धर्म का मान बढ़ाया,
राम जी जैसा कोई नहीं,
जो भी उन्हें सेवक मिला,
उसको उन्होंने गले लगाया,
राम नाम का जो जाप करता,
वो दुनिया से तर जाता है ,
एक पुत्र पिता राजा का मान बढ़ाया,
उनके चरणों में कोटि कोटि प्रणाम हमारा।।

लघुकथा: मुलाकात

वीरेंद्र बहादुर सिंह

कालेज में पढ़ने वाली ऋजुता अभी तीन महीने पहले ही फेसबुक से मयंक के परिचय में आई थी। दोनों घंटों चैट करते थे। शुरू-शुरू में दोनों में औपचारिक बातें ही होती थीं।

धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रणय की बातें होने लगी थीं। दोनों एकदूसरे का फोटो भी लेनेदेने लगे थे। मयंक ने एक दिन ऋजुता के सामने विवाह का प्रस्ताव रख दिया। ऋजुता उसकी बातों से काफी प्रभावित थी।

वह उसे अच्छा भी लगने लगा था। इसलिए उसने मयंक से एक बार मिलने की बात कही। मयंक ने भी उसकी बात मान ली।

मिलने के लिए दोनों ने जगह और समय तय कर लिया। एकदूसरे को पहचानने के लिए निशानी भी बता दी थी। तय की गई निशानी के अनुसार ऋजुता ने लाल रंग का सलवार सूट पहना और तय की गई जगह पर पहुंच गई।

> **मिलने के लिए दोनों ने जगह और समय तय कर लिया। एकदूसरे को पहचानने के लिए निशानी भी बता दी थी। तय की गई निशानी के अनुसार ऋजुता ने लाल रंग का सलवार सूट पहना और तय की गई जगह पर पहुंच गई।**

मयंक पहले से ही हाथ में बुके लिए खड़ा था। ऋजुता आश्चर्य से उसे देखती रह गई।

वह कुछ सोच पाती, उसके पहले ही 45 साल का वह अधेड़ आदमी हाथ में बुके ले कर भागते हुए उसके पास आ कर बोला, हाय ऋजुता, कैसी हो? मैं मयंक, यह बुके तुम्हारे लिए।

ऋजुता के तो पैरों के तले से जमीन खिसक गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा सा छा गया।

जेड-436ए, सेक्टर-12,
नोएडा-201301 (उ0प्र0)
मो-8368681336

सविता राज, मुजफ्फरपुर, बिहार

चित्र बुजुर्ग कामवाली की

जर्जर हालात,
दीन हीन कृशकाय,
गिरता स्वास्थ्य ,
मैली कुचैली साड़ी,
दो वक्त के निवाले को मोहताज,
आखों में गमों का समुद्र,
नाउम्मीदी से घिरा जीवन,
बेटे बहु की मोहताज,
चार पांच घरों में काम करके,
घर को अपने सींचती थी,
औरों के घरों की,
साफ सफाई करके,
चंद पैसे जोड़ती थी
आज बुढ़ापे ने
छीन लिया सर्वस्व
सबने काम छुड़ा दिया,
वर्षों तक जहां काम किया,
वहां से मिलता न वृद्धाभत्ता,
न कोई पगार,
दाने दाने को हो गई मोहताज,
ये चित्र है समाज में,
बुजुर्ग हो चली कामवालियों की।
सरकार करे या समाज करे,
कोई तो इन बेबस अबलाओं की,
समस्याओं का निदान करे।

BNM Fantasy

Monday
06 November 2023

बर्थडे सेलिब्रेशन में दिखीं जाह्नवी

खुशी कपूर ने मुंबई के एक रेस्तरां में बहन जाह्नवी कपूर और दोस्तों के साथ बर्थडे लंच एन्जॉय किया। खुशी कपूर के बर्थडे सेलिब्रेशन में जाह्नवी अपने रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ नजर आईं। जाह्नवी को अपनी बहन खुशी और शिखर के साथ रेस्तरां से बाहर निकलते हुए देखा गया। इस दौरान 'बर्थडे गर्ल' खुशी व्हाइट कलर की शॉर्ट ड्रेस में बहुत प्यारी लग रही थीं। वहीं, जाह्नवी कपूर ने हमेशा की तरह अपने लुक से ध्यान खींचा। वह रेड कलर की साइड स्लिट ड्रेस में कमाल की लग रही थीं। खुले बाल और मिनिमल मेकअप में हमेशा की तरह जाह्नवी ने लाइमलाइट चुराई।

ब

'बिग बॉस' शो में लिपलॉक करते नजर आये कंटेस्टेंट्स, वीडियो वायरल

'बिग बॉस' शो का 17वां सीजन दर्शकों के सामने आ चुका है। शो की शुरुआत से ही कंटेस्टेंट्स के बीच की लड़ाई-झगड़े हर किसी का ध्यान खींच रहे हैं। अब शो में कंटेस्टेंट्स ने हद पार कर दी है। नेटिज़न्स ने उनके व्यवहार के कारण शो की आलोचना की है। बिग बॉस-17 के हाल ही में खत्म हुए एपिसोड में ईशा मालविश और समर्थ ज्यूरियल कैमरे के सामने लिप-लॉक कर रहे थे। बिग बॉस के घर में लाइट बंद होते ही दोनों शरीर पर चादर ओढ़कर इंटीमेट होते नजर आए। बिग बॉस-17 के मेकर्स ने इस वीडियो की क्लिप शेयर की है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वायरल वीडियो में समर्थ ईशा कैमरे के सामने लिप-लॉक करते नजर आ रहे हैं। जब उन्हें एहसास हुआ कि घर में कैमरे लगे हैं, तो फिर वह अपने शरीर पर एक चादर ले लेते है। फिर अभिषेक चला जाता है। वह उनके चल रहे रोमांस को देखता है। इसके बाद वह कहते हैं कि एक शीट दो..आप दोनों शीट लेकर बैठे हैं। अभिषेक की आवाज सुनकर समर्थ तेजी से चादर से बाहर आते हैं और उन्हें चादर देते हैं। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। एक यूजर ने कमेंट किया, "यह कितना खराब पारिवारिक शो है।" एक अन्य यूजर ने कहा, "इन दोनों को टेम्पटेशन आइलैंड पर होना चाहिए।

उर्फी जावेद की गिरफ्तारी के पीछे का सच आया सामने

अब एक्ट्रेस के खिलाफ होगी कार्रवाई

सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद अपने अजीबोगरीब कपड़ों को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। उनकी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। शुक्रवार को उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें दो महिला पुलिसकर्मी उन्हें पकड़ कर जीप में ले जाती दिख रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद दावा किया गया कि उर्फी को अजीब कपड़े पहन कर अश्लीलता फैलाने के आरोप में मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हालांकि, यह खुलासा हो चुका है कि उनका यह वीडियो फर्जी है। मुंबई पुलिस ने खुद इस मामले का संज्ञान लिया है और इस रिपोर्ट की पुष्टि की है कि यह वीडियो फर्जी है। यह बात सामने आई है कि उर्फी ने यह वीडियो सिर्फ प्रसिद्धि पाने के लिए बनाया है। अब उनके इस फर्जी वीडियो पर एफआईआर दर्ज की गई है। मुंबई पुलिस ने उर्फी जावेद और वीडियो में दिख रही महिलाओं के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मुंबई पुलिस ने ट्वीट किया कि, 'कोई भी सस्ती पब्लिसिटी के लिए देश के कानून का उल्लंघन नहीं कर सकता! मुंबई पुलिस द्वारा अश्लीलता के आरोप में गिरफ्तार की गई महिला का वायरल वीडियो सच नहीं है। इसमें पुलिस बैज और वर्दी का दुरुपयोग किया गया है। भ्रामक वीडियो में शामिल लोगों के खिलाफ ओशिवारा पुलिस स्टेशन में धारा 171, 419, 500, 34 आईपीसी के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच चल रही है और वीडियो में दिख रहे फर्जी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वाहन भी जब्त कर लिया गया है।'